5802

जय धर्मे!! जय चाला!!

कुड़ुख़र गहि नेम्हा

(कुड़ुख़ भजन एवं पारंपरिक गीत)

★ भजन ★ करम डण्डी ★ जतरा डण्डी ★ खद्दी डण्डी

लेखक :- अमित कुमार भगत

1

परिचय

अमित कु0 भगत

मैं इस किताब में जो कुछ भी लिख रहा हूँ मैं अपने पुरखे पूर्वजों के बताये गए कहानी, शब्द पर अधारित एवं उसे खुद भी समझ बूझ के कर रहा हूँ। जिस प्रकार हम जानते हैं कि हमारा कोई लिखित धर्म ग्रंथ नहीं है पर हम ये भी जानते हैं कि हमारी अतीत, इतिहास, कहानी, संस्कृति हमारे पीढ़ी दर पीढ़ी श्रुती ज्ञान एवं गीतों के द्वारा हमारे पास है। उन गीतों को आज भी गाया जा रहा है।जिनहें इस पुस्तक में देख सकते हैं। सबसे पहले मैं आप सबों से क्षमा चाहता हूँ कि इस किताब में हिन्दी से लिख रहा हूँ जिसे हमें कुड़ुख़ में ही लिखना चाहिए। पर हमारे बहुत से लोग कुड़ुख़ नही समझ पाते उन लोगों को देखते हुए ये करना पड़ रहा है। जिसके लिए एक बार और क्षमा चाहता हूँ।

जिस प्रकार अन्य जातियों का अपना-अपना धर्म है। उसी प्रकार हमारा भी आदि काल से चली आ रही एक अलग धर्म है। जिसका अपना इतिहास, नेग, नेगचर, भाषा, संस्कृति आदि बिल्कुल अलग है। पर हमारे लोग अज्ञानता के कारण अपना धर्म संस्कार को भूलते अथवा छोड़ते जा रहे हैं जिन्हें मैं धर्म कि कुछ बातें इस पुस्तक के माध्यम से लोगों को बताने कि कोशिश कर रहा हुँ। जो लोग अपने धर्म के बारे में नहीं जान पा रहे हैं वे इस पुस्तक को पढ़ कर थोडी जानकारी तो ले सकते हैं।

मैंने बड़े-बुर्जुगों ,लोगों से मिलकर धरम्-करम को और गहराई से जानने कि कोशिश की और इन्हीं सब से सीख कर मैंने समाज में कुछ करने की कोशिश किः-

1.बजरा बरियातु कुम्बाटोली सरना स्थल में 09-01-2009हमारे एवं ग्रामवासीयों की सहयोग से प्रार्थना सभा एवं झण्ड़ा गड़ी का आयोजन किया गया जो कि बहुत सफल रहा।

2.बजरा के खख्सी टोली में यहाँ के लोगों से बात विचार कर के प्रार्थना सभा का आरंम्भ किये। जिसमें हर गुरुवार को शाम में मिल बैठकर भजन, प्रार्थना एवं धरम्-समाज के बारे में अपना-अपना विचार रखते हैं।

इस किताब का लिखने का तात्पर्य है कि जो लोग अपने धर्म, इतिहास, नेग, नेगचर, भाषा,संस्कृति को भूलते जा रहे हैं , जो धर्म के बारे में नहीं जान पा रहे हैं उन्हें सही रास्ते में लाने व बताने के लिए तथा वे जो कोई धार्मिक कथा को भली भाँति ना जानकर उल्टा पल्टा बताते और छापते हैं उन्हें बताने और इस पुस्तक कि माध्यम से उनसे अनुरोध करता हूँ कि किसी भी बात को लोगों के बीच प्रस्तुत करनें से पहले उसे दस बार जरुर सोंचे समझें क्योकि गलत बाते हमें सही रास्ते से दूर ले जायेगी।

इस किताब में मैंने जाने अनजाने कहीं गलत लिखा हो तथा इसे पढ़ कर आपको दुःख पहुँचा हो तो मुझे क्षमा करें।

देवचरण भगत

एक बात बताना चाहूँगा कि जब मैं इस दुनिया में आया भी नहीं था उस समय मेरे दादाजी देवचरण भगत धरम बड़ग्स जो कि धरम-करम के बारे में जहाँ जगह जगह जा अथवा घूम के प्रचार प्रसार किये । मेरे दादा के पिता-साधु भगत भी इस काम में लगे थे इस लिए दादा भी उनके राह मे चलते गये।

दादा उस समय वन विभाग में रेंज ऑफिसर के रूप में कार्यरत थे। इसी प्रकार घूम-घूम के जानकारियाँ इक्कटठा करते एवं प्रचार करते करते अद्दी धरम की कई किताबें लिपी बध्द किये साथ ही कई हजार पंपलेट छपवा कर समाज के बीच परोसे जगह-जगह जा के धरम् करम और समाज के बारे में बताने के साथ साथ कई जगह धरम् मण्ड़ा बनवाये। छत्तीसगढ़ में 16 धरम् मण्ड़ा और झारखण्ड़ के लातेहार में दो धरम् मण्ड़ा बनवाये । उनके द्वारा किये गये कार्य निम्न हैं:-

पुरख्रापचबल देवचरण भगत ने वर्ष 1980 ई0 में अद्दी धरम से संबधित 40,000 पंपलेट मुद्रित कराकर वितरित किये।उनका कहना था कि अद्दी धरम के दो प्रमुख हिस्से हैं

1. बाहरी हिस्सा 2. भीतरी हिस्सा । बाहरी हिस्सा को सुदृढ़ करने के लिए उन्होंने 18 धरम् मण्ड़ा स्थापित कराये जहाँ आज भी कुड़ुख़ सामुदाय के लोग भजन प्रार्थना एवं धर्मेश की स्तुति करते हैं। तथा अद्दी धरम की भीतरी हिस्सा की जानकरी देने के लिए वर्ष 1987 से 1990 ई0 के बीच कुड़ुख़ धार्मिक ,सामाजिक, रीति रिवाज, नेग नेगचार, परब त्योहार विषयों पर अनेक पुस्तक प्रकाशित कर समाज के सामने रखे जो निम्नलिखित हैं:-

1. अद्दी धरम्न चोद-आ, परदा-आगे "धरम् नलख" (धार्मिक कार्यक्रम)चान -1987

2. अद्दीयर गे "अखना जोगे धरम् कत्था" मुँध ख़ोर (प्रथम संस्करण) चान -1987

3.पल कॉँसना पुजा नेग गहि धरम् पोथी–मुँध ख़ोर चान–1988–प्रथम संस्करण, 2003–द्वितीय संस्करण, 2008– तृतीय संस्करण
4.राजी गवन–अना (धार्मिक एवं लोक कविता) चान–1988
5.अद्दी धरम् नेम्हा भजन पोथी चान –1988
6.अद्दी धरम् गहि परब पोथी चान –1989
7.अद्दीयर गहि नेग धरम् पोथी चान –1989

पुरखा पचबल जिनहें वर्ष 1993 ई0 में लकवा बीमारी हो जाने के बाद घुमने फिरने में असहाय हो गये तब उन्होनें घर में ही बैठ कर जितना भी धरम् ज्ञान था उन्हें लिपी बद्ध करना शुरु किये और अद्दी धरम् का प्रचार प्रसार का जिम्मा अपने पुत्र शिव प्रकाश भगत और पुत्रवधु लीली भगत को, सन् 1995 ई0 में "जय चाला ईन्टरप्राईजेज" स्थापित कर अपने मार्गदर्शन में धार्मिक , समाजिक कार्य करने का दायित्व सौंपा।

जो आज पावा टोली, हेहल ईटकी रोड़,राँची ,झारखण्ड में स्थित है और ये आज भी जय चाला ईन्टरप्राईजेज के बैनर तले लॉकेट, कलैण्डर, किताब, फोटो के माध्यम से झारखण्ड, उड़िसा, छत्तीसगढ़ जा–जा कर धरम् प्रचार–प्रसार कर रही है।

जय चाला ईन्टरप्राईजेज का योगदान

सबसे पहले मैं ये बताना चाहूँगाा कि इस का स्थापना सन्1995 ई0 में चैनपुर, गुमला में हुआ। जिनका संचालन करता शिव प्रकाश भगत (कुन्नू) एवं उनका परिवार है। जिनका सोंच बोलने से ज्यादा कर्म करने मे है। "बड़ी–बड़ी बात बोल कर दुनिया के सामने हिरो बनना और समाज के लिए कुछ ना करना " ये इनसे ठीक विपरीत हैं जो समाज के लिए सब कर के भी लोगों के सामने ना आना। अपने आप में एक मिसाल हैं क्योंकि आज के दुनियाँ में सब नाम के भूखें हैं पर इन्हें नाम की कोई भूख नही। जिस प्रकार एक घर में नींव की ईट एक मजबूत आधार एवं सबसे महत्वपूर्ण भाग होता है जो बिना दिखे घर को सम्भाल के रखता है उसी प्रकार ये भी हैं जो धरम करम को अच्छा करने के लिए कार्य करते रहे । आज भी लोग इन्हें नहीं जानते पर मैं विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि जय चाला ईन्टरप्राईजेज के बारे में जरुर जानते होंगे। इनके योगदान निम्न हैं:–

1. इन्होंने सर्वप्रथम पहला प्रयास " चाला पच्चो अयंग्ड़ " (कुड़ुख़र गही जगता देवता") का लॉकेट, कलैण्ड़र, चाभीरिंग आदि बनवा कर समाज के बीच रखा। जिसे समाज ने तन-मन से अपनाया। जिसे आज आप हर आदिवासीयों के घर में तथा लोगों के गले में देख सकते हैं।

2. सिरसी-ता-आ नाले नू जो कि पहला कुड़ुख़ धार्मिक डोक्योमेंट्री बीडियो फिल्म वर्ष 2000 ई0 को सरहुल पूर्व संध्या राँची में, झारखण्ड़ के ए0डी0जी0पी0 श्री रामेश्वर उराँव के द्वारा विमोचन किया गया।

3. डण्ड़ा कट्टा पलकॉसना प्रतीक वाला धार्मिक बैराख़ी, झण्ड़ा कुड़ुख़र गहि रोहतास गढ़, आदिवासीयों कि सांस्कृतिक प्रतीक मुड़मा जतरा ख़ुटा और सिरसी-ता-आ नाले का कलैण्डर प्रकासित किये।

4. परम्पारिक भजन प्रार्थना गीतों को एक दिशाः-

   क. सिरसी-ता-आ नाले नू-1ऑडियो कैसेट एवं सीड़ी।

   ख. सिरसी-ता-आ नाले नू-2 ऑडियो कैसेट ।

   ग. करम परब mp3 कैसेट जो 2013 ई0 में निकाली गई जिसमें करम गीत पारंपरिक धुन में है।

5. कोहाँ बेन्जा (हड़गड़ी,हड़वोड़ा) पर ड़ोक्योमेंट्री फिल्म बनाई गई है और इस फिल्म को 'नेपाल फिल्म फेस्टीबल 2005 ई0 में भेजा गया था।

6. मुड़मा जतरा ख़ुटा पर डोक्योमेंट्री फिल्म 2006 ई0 में बनायी।

7. गुमला जिले के ग्राम+प्रखण्ड़ - चैनपुर में आदिवासी समुदाय के लिए धर्मशाला एवं धरम मंण्ड़ा बनाने हेतू 15 डी0 जमीन शिव प्रकाश भगत(जय चाला ईन्टरप्राईजेज परिवार)ने दान दिया जिसका शिलान्यास श्री चमरा लिंण्ड़ा अध्यक्ष आदिवासी छात्र संघ और धरम गुरु बंन्धन तिग्गा के कर कमलों द्वारा14-09-2007 ई0 को किया।

8. पुरखा पचबल देवचरण भगत ट्रस्ट(पंजीकृत):-यह ट्रस्ट का निर्माण किये और ट्रस्ट पुरखा पचबल देवचरण भगत की सोच के अनुरुप आदिवासी समाज के धर्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षणिक क्षेत्र में बहुउद्देश्य विकास के लिए प्रारंभ किए गए कार्य को आगे बढ़ाने एवं मूर्त ठोस रुप देने के लिए सन् 2008 ई0 में स्थापित किये।

9. तत्पश्चात पुरखा पचबल देवचरण भगत के अनुसार "अद्दी धरम दर्शन का बड़ा पोस्टर प्रकाशित किये।

10. 2009 ई0 में छत्तीसगढ़ में 18 दिनों तक और उड़िसा में 7 दिनों तक रथ यात्रा निकाल कर अद्दी धरम् का जन जागरण किये।

11. अद्दी कुडुख़ अड्ड़ा सिरसी–ता–आ नाले में तीर्थ यात्रियों की आस्था तथा आपार भींड़ देखते हुए ककड़ो लाता जो 0.4 डी0 जमीन पर अवस्थित है। उक्त जमीन की व्यवस्था कुडुख़ सामुदाय के लिए पुरख़ा पचबल देवचरण भगत के द्वारा रजिस्ट्री करा ली गई है,साथ ही अद्दी कुडुख़ अड्डा के विकास लिए और 2 एकड़ जमीन लेने का ट्रस्ट प्रयास कर रही है।

12. सामूहिक विवाह 22 मई 2010ई0 को आदिवासी गरीब परिवार के 21 जोड़ो का 21 मड़वा गाड़कर पारंपारिक तरिकों से सरना स्थल, बाजरा कुम्बाटोली, राँची में संम्पन किया गया।

13. अतिशीघ्र गुमला के ग्राम+प्रखण्ड़ – चैनपुर में धर्मशाला और धरम् मण्ड़ा का निर्माण करायेगी। धरम् मण्ड़ा में धर्म से संम्बंधित सृष्टि से लेकर आज तक धार्मिक जानकारी देने के लिए संग्रहालय(म्यूजियम) का प्रारुप दिया जाएगा। जिसे दर्शनार्थी देख कर अपनी अद्दी धरम् के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त कर सकेंगें।

14. जय चाला ईन्टरप्राईजेज के बैनर तले "कुडुख़ ऑरकेस्ट्रा" का निर्माण 30–09–2013 ई0 किया गया। जो लोहरदगा के भण्डरा में 2 बार तथा गुमला में 1 बार ऑरकेस्ट्रा का आयोजन कर लोगों का मन जीता।

और अभी जय चाला ईन्टरप्राईजेज गॉव–गॉव घुम कर 12 महिना में 13 रागों का खोज बिन कर रही है। जो कि बहुत जल्द आपके समक्ष होगी जो पारंपारिक धुन में होगी।

पंजीयन नं. – 9969/1176/2008 जय चाला! जय धर्मे!

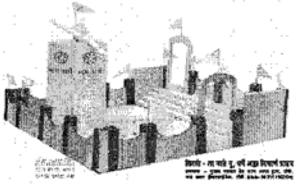

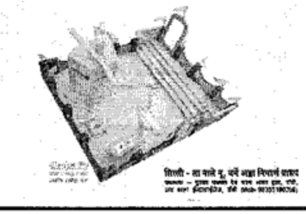

सिरसी-ता नाले नू

(काकड़ो लाता)

धर्मे अड्डा निर्माण प्रारूप

बैंक ऑफ इंडिया, ब्रांच–पिस्का मोड़, राँची
पुरखा पचबल देव चरण भगत ट्रस्ट
A/C No. 469710110007822, IFSC Code - BKID0004697
में स्वेक्षा से निर्माण हेतु दान करें।

प्रबंधक { पुरखा पचबल देव चरण भगत ट्रस्ट, राँची
जय चाला ईन्टरप्राईजेज, पावा टोली, हेहल, राँची
मोबाईल नं0 – 9835190269, 9031461119 }

आदिवासी कौन ?

सर्व प्रथम- यह जानना होगा कि आदिवासी किसे कहते हैं आदिवासी का संधि-विच्छेद करने पर आदि+वासी=आदिवासी यानि आदि का अर्थ-आदिकाल, सबसे पहले सृष्टी काल का बोध होता है और वासी का अर्थ-आदिकाल से रहने वाला प्रथम वाँसिंधा(प्रथम बासी) होता है। दूसरी- आदिकालिन वाँसिन्धाओं के साथ ही साथ उनका धर्म आदिकाल से चली आ रही है । आज भी प्रत्येक आदिवासी जाति के धर्म संस्कार, संस्कृति, समाजिक व्यस्था, भाषा, रूढ़ी वादी परम्परा निभाने वाले को ही आदिवासी कहा जाता है। आदिवासी हम उसे कहेगें जिसमें निम्नलिखित बातों का होना अति आवश्यक है।

1. जिनका एक निशिचित भू-भाग क्षेत्र रहता है। जो खुट्ट कट्टी। भूहयरी भू-भाग का स्वामित्व रहता है।
2. उनकी अपनी भाषा है।
3. वो आदिकालिन धर्म संस्कार-संस्कृतति और रूढ़ी वादी परम्परा निभाता है।
4. जिनकी अपनी परम्परिक सामाजिक एवं आर्थिक व्यवस्था है।
5. जो आदिकालीन आख्यानों(श्रुति ज्ञान) के द्वारा धर्म,सामाजिक एवं आर्थिक नीति को संचालित करता है।

पुरख़ा पचबल देवचरण भगत

<u>नोटः-</u> {आदिकालीन धर्म संस्कार संस्कृति और रुढ़ी वादी परंपरा को निभाना ही अद्दी धरम् कहलाता है।}

धरम् दर्शन

(पुरखा पचबल देवचरण के अनुसार)

धरम् शब्द की उत्पति आदिवासी कुडुख़ समुदय के धरम्, संस्कार-संस्कृति और उनकी भाषा से ही है। स्वयं निराँकार धर्मेश अंश महायदेव-पारवती के बताये मार्ग पर चलना ही धरम् कहलाया । उस मार्ग पर चलना ही आदिवासियों का अद्दी धरम् है।

5000 ईशा पूर्व, वर्त्तमान भारत वर्ष के उत्तर पश्चिम में सिंधु, झेलम, चिनाव रावी, व्यास और सतलज ये छः नदियों के सात (भाग) भूखण्डों में मोहन जोदड़ो-हड़प्पा सभ्यता पूर्ण रूपेन विकसित था। जो द्रविड़ सभ्यता कहलाया, यही कुडूख़ लोगों का सिरजन-विरजन हुआ। जो अद्दी धरम् पलकाँसना पुजा नेंग धरम् पोथी के मानी ख़ीरी भाग-1 खण्ड-1 पद-44 में वर्णित है-"महायदेवस कोंच्चों ती ख़द्दारिन ओत्थरस।। पारवती गहि मुँधारे आरिन इजताचस, अरा बाचस-ई ख़द्दर गहि पुरख़र ही सिरजन-विरजन सत्ते पट्टी राजी नू मन्ज्जकी रहचा निक्ख़उन।।"

हम आदिवासियों के संग निरंकार धर्मेश आज भी विद्यमान है। अद्दी धरम् अनादि शक्ति सत्य की नींव पर खड़ा है। इनमें मानव कल्पना का कोई स्थान नहीं है। यह धरम् किसी भय और प्रलोभन पर आधरित अथवा उससे प्रेरित नहीं है। यह धरम् एकेश्वर वाद को स्वीकार करता है। अद्दी धर्म के अनुयायी उस सर्वोच्च शाक्ति के उपासक हैं जो अनादि और अनन्त है। उसे आदिवासी निरंकार धर्मेश कहकर सम्बोधित करते जानते और मानते हैं। निरंकार धर्मेश आदिवासियों के मध्य स्वयं अंश से दो अलग-अलग शक्तियाँ है, माया का देव महायदेव-पुरूष रूप और संसार को परवरिश करने वाली पारवती-स्त्री रूप में आये। ये दोनों आपस में पति पत्नी नहीं हैं। दोनों निरंकार धर्मेश (परमात्मा)का सृजनात्मक विधि विधान को संचालित करने के लिए आदिवासियों के बीच आते रहे हैं। महायदेव-पारवती सृष्टि कारक शक्ति नहीं हैं। सृष्टि कर्त्ता तो निरंकार धर्मेश ही है। महायदेव-पारवती सिरसी-ता-आ नाले के भईया बहिन को पाल-पोष कर खेती बारी और संसार मे जीवन यापन के सारे गुण तथा धर्म विधि विधान सिखाये। इस के बाद महायदेव-पारवती अपनी दुनियाँ वापस जाने लगे । उसी समय दोनों भईया-बहिन कहते हैं,आप तो जा रहे हैं, अब हम अपने दुःख तकलीफ किसे बतायेंगें ,कौन हमारी मद्द करेगा। यह सुनकर महायदेव-पारवती चिंतीत हो गए और वापस जाने के पहले दोनों अपनी-अपनी अंश तथा गुण और शक्तियों से सम्पन्न जगता देवता ''चाला पच्चो अयंग्ड़'' जिसे आदिवासियों के सुख-दुःख और सुरक्षा के लिए नियुक्त किये। जो आज भी आदिवासी गाँवों के चाला टोंका में निवास करती है।

वह शक्ति आदिवासीयों को बूढ़ी माँ के रूप में दर्शन देकर ''चाला पच्चों अयंग्ड़'' के रूप में आज भी साथ है। यही कुडुख़र गहि जगता देवता है। इस शक्ति को दूसरी जगह स्थपित नहीं किया जा सकता है।

धर्मेश की शक्ति और प्रेरणा से अद्दी धरम् अनुयायी पीढ़ी दर पीढ़ी इसी बुनयादी ज्ञान के साथ जन्म से लेकर मृत्यु तक के नेंग संस्कार पुजा-सेवा विधि का पालन करते हुए अनुप्रेरित, अनुवंधित एवं अनुशासित सुंदर एवं शान्तिमय जीवन व्यतीत करते हैं। हमारा धरम् ग्रंथ हृदय है जिसमें हमारा धार्मिक दर्शन और ज्ञान अंकित है।

अद्दी धरम् अनुयायी सर्वोच्य शक्ति धर्मेश सहित देवताओं और भूत प्रेत के अस्तित्व को भी जानते व मानते हैं। देवता को सुरक्षा करने वाला और भूत प्रेतों को अनिष्ट कर्त्ता के रूप में जानते हैं। इसी अधार पर सभी मान्यताएँ और वर्जनाएं स्थापित हैं।

अद्दी धरम् में किसी भी देवता का प्रतीक रूप किसी वस्तु को क्षणीक समय के लिए स्थापित कर पूजा सेवा किया जाता और उसके पश्चात मिटा दिया जाता है। क्योंकि मूरत रुप उसी का बनता है जो इस संसार में माँ के पेट से जन्म लिए रहते हैं वे भगवान व देवता नहीं होते हैं वे उनके पूरखे-पूर्वज देव होते हैं। हम आदिवासी भगवान या देवता उसे कहते हैं,जो इस संसार में पैदा नहीं लेते, लेकिन वे समय-समय पर मानव रुप धारन कर हमारे बीच आते और जाते रहते है।

जैसेः– महायदेव–पारवती, चाला पच्चो अयंग्ड़। हम लोग पुरखों को 'पुरखा पचबल सुक्ष्म आत्म देव, कहते हैं साथ ही पुजा सेवा करने के लिए किसी भी गुरु या मध्यस्था की जरुरत नहीं पड़ती है।

अद्दी धरम् में दो लोकों की अवधारणा को स्वीकरता है। भूलोक–जिसमें संपूर्ण पृथवी की सृष्टि मानव, पशु–पक्षी, पेड़–पौधे समाहित हैं। मृत्यु लोक जो भूलोक में पैदा होते वे मृत्यु को अवश्य प्राप्त करते है। स्वर्ग लोक और नर्कलोक या पाप और पूण्य की कोई मान्यता नहीं है।

अद्दी धरम् में कुल पाँच देव शक्तियों की पूजा–सेवा करने का विधि विधान हैं। (1) निरंकार धर्मेश (2) निरंकार धर्मेश का अंश महयदेव–सूक्ष्म देव शक्ति (3) निरंकार धर्मेश का अंश पारवती–सूक्ष्म देव शक्ति (4) महायदेव एंव परवती दोनों के अंश–चाला पच्चो अयंग–सूक्ष्म देव शक्ति और (5) पुरखा–पूर्वज–सूक्ष्म आत्मा देव शाक्ति।

सूक्ष्म अनिष्टकारक भूत–प्रेत शक्तियों को, धर्मेश के अंश महयदेव सूक्ष्म देव शक्ति के द्वारा बताये गए विधि अनुसार इन्हे बनाते एवं मनाते हैं। इनकी पूजा सेवा नहीं की जाती है।
निरंकार धर्मेश के अंश महादेव–पारवती के द्वारा बताये गए विधि–विधान और उनके बताये मार्ग पर चलना ही धरम् है और इसी को आदिवासी अद्दी धरम कहते हैं। यही अद्दी धरम का दर्शन हैं।

अद्दी धरम् के प्रवर्त्तक धर्मेश, महादेव, परवती, चाला पच्चो अयंग और पुरखा पचवल (पूर्वज) हैं। जिसे सभी आदिवासी समुदय अपनी भाषायी विभिन्नता के कारण भिन्न–भिन्न नामों से पुकारते,जानते और मानते हैं। अद्दी धरम् ऐसे तमाम आदिवासीयों को एक सूत्र में जोड़ता है।

परिक्रमा भजन -1

बरआ लगदम, बरआ लगदम आयो निंगन सेवा ननागे
बरआ लगदम बरआ लगदम धरमें पूजा ननागे
बरआ लगदम, बरआ लगदम आयो निंगन सेवा ननागे
धीरे धीरे बरेदम, रासे रासे बरेदम पूजा ननागे
आयो संगे बरेदम बाबा संगे बरेदमे निंगन सेवा ननागे
बरआ लगदम बरआ लगदम धरमें पूजा ननागे
भाई संगे बरेदम, बहिन संगे बरेदम निंगन सेवा ननागे
बरआ लगदम बरआ लगदम धरमें पूजा ननागे
एम चाला आयो कुड़ुख़ आलम बरेदम निंगन सेवा ननागे
बरआ लगदम बरआ लगदम धरमें पूजा ननागे
धीरे धीरे बरेदम जुमूर जुमूर बरेदम निंगन सेवा ननागे
बरआ लगदम बरआ लगदम धरमें पूजा ननागे
अम्मे चिआ बरेदम पूंप चिया बरेदम,
धीरे धीरे बरेदम रासे रासे बरेदम निंगन सेवा ननागे
बरआ लगदम बरआ लगदम धरमें पूजा ननागे
ओहमा पाड़ा बरेदम विनती नना बरेदम
धीरे-धीरे बरेदम ,रासे-रासे बरेदम
बरआ लगदम बरआ लगदम धरमें पूजा ननागे

***

नेम्हा विनती -2

अन्ना अद्दी मुंजरना मलेका
नीनिम धरमें रअॅ-दय बंगाायो
नीनिम धरमें रअॅ-दय
उरमी-निम एरा लगॅ-दय
उरमी-गेम जोड़गर रअॅ-दय
कोड़ा-कोड़ा रअॅ-दय बंगायो
जनम करम चिच्च-कय धरमें
पोसा-ऑ परेदा लगॅ-दय बंगायो
पोसा-ऑ परेदा लगॅ-दय
सोग्गे एरदॅ-य उरमी निम
दोवा चिःअदॅय उरुमीगेम
धरम डहरेन एद-ऑ बंगायो
तंगहै जिया लेख़ा धरमें
ओर मर ही जियन बंगे
एरना लूरन चि-ऑ बंगायो

लूर मलका गा रऑ–दन पहेंस
नीनिम धरमें उबार–ओय बंगायो
नीनिम जुनुम उबार–ओय
अन्ना अद्दी मुंजरना मलेका
नीनिम धरमें रऑ–दय बंगायो
नीनिम धरमें रऑ–दय
जय धर्मे

***

सेवा नन्दम धर्मे –3

सेवा नन्दम धर्मे ओहमा पाड़दम
निंगानूम धरमे गोड़ लागदम........2
चाला टोंका बरेदम धरम् कुड़िया हूँ,
निंगानूम धरमे गोड़ लागदम........2
आयो –बाबा संगे भाई–बहिन हूँ
निंगानूम धरमे गोड़ लागदम........2
जिया नू राउअदय धरमें काया हूँ
निंगानूम धरमे गोड़ लागदम........2
अरजी नन्दम धरमें विनती नन्दम
एमागे धरमें आशिष चिआ
एमागे धरमें दोवा चिआ
ओहमा नन्दम धरमें मुजरा नन्दम
एमागे धरमें आशिष चिआ
एमागे धरमें दोवा चिआ

***

प्रवचन –4

हे सत्य धरमें, हे आदि शक्ति,
हे चाला अयंग मानिम निंग्है,
माया अकय रउई, नीनिम खेखेल बीड़ी,
बिनको ,चन्दो,मन्ने–मासन,सन्नी कोहा,
जिया जन्तुन एम मानवारिन
सृजन ननर की पोषआा–परेदआ लगदय,
दोवा चिआ लगेदय।
दया नना धरमें एम निंगन मोधरआर कि
उख़ा गहि गड्ड़ी नू खतरकम राउदम।
हे सत्य धरमें, एम्है जियन्ता कस्सा, हिसगा,
पोटगांन, खड़ना, नूड़ना मलदव लूरन तरकुटी

ननर की अद्दी धरम् सादा धरम् बेला जोड़गर,
चोन्हा शान्ति खोड़हा चिआर की।
ई सौंसे राजी नू निग्है राजी,
चाला राजी, कुड़ी राजी मना नेकआ ।
हे सत्य धरमें एम नादान कुड़ुख़म गहि विन्तीन मेना,
एम्हय मईया एख़ चिआ ।

***

धरम् धरम् बाअदर –5

धरम् धरम् बाःअदर भाई बहिन बगारो 2
धरम् नम्हैं ऐकेसन रऽअई हो
धरम् नम्हैं ऐकेसन रऽअई
पूरबे हूँ माला पश्चिमें हूँ माला 2
धरम् नम्हैं ऐकेसन रऽअई भला
धरम् नम्हैं ऐकेसन रऽअई
उत्तरे हूँ माला दक्षिणें हूँ माला 2
धरम् नम्हैं ऐकेसन रऽअई भला
धरम् नम्हैं ऐकेसन रऽअई
स्वर्गे हूँ माला पताले हूँ माला 2
धरम् नम्हैं जिया नू रऽअई
धरम् नम्हैं काया नू रऽअई
धरम् धरम् बाअदर भाई बहिन बगारो.......2
जियन सोचे जिया नू रऽअई हो
कायन सोचे काया नू रऽअई

***

भले भिख़राम बाबा –6

भले भिख़राम बाबा पड़हा देवान् मंजकय
पड़हा राजिन जगा बाचकय हो
पड़हा राजिन बिल्ली नंनजकय
राजी राजी कुदकय गडी ढ़िपा कुदकय
पड़हा राजिन जगा बाचकय हो
पड़हा राजिन बिल्ली नंनजकय
पद्दा पद्दा केरकय उल्लू थूथू मंजकय
अद्दी धरमन जगा बाचकय हो
अद्दी धरमन बाछा बाचकय
उख़ानू रहचकम भले बिल्ली नंजकय
एम्हैं मईया माया नंजकय हो
एम्हैं मईया माया नंजकय

***

एका तरती परदेशियर –7

एका तरती परदेशियर बरचर
गोटा राजिन छाहेचर चिचर हो-----2
लोटा धरचर बरेचर गमछा धरचर बरचर
कोहां कोहां बिल्डींग कमचर
कोहां कोहां एड़पा कमचर
अकु गुटी कुड़ूख़र होश माला नन्दर
नूकूर नूकूर भट्ठ काअविर हा-----2
झूमूर झूटा भट्ठी काअदर
भट्ठी एड़पा काअदर हरो
गड़ी ख़लन बँधा नन्दर हो ------2
केड़ा झरियन बँधा नन्दर
ननर ही एड़पा जनम जोंख़ राअदर
मूका ख़दन घासी बिंसा तेइदर हा-----2
एका तरती,------------

***

आदिवासी भाईयोर –8

आदिवासी भाईयोर पड़हा ही महबन
जनम जनम बाछा बाके हो
जनम जनम जोगा बाके
पुरख़र ही डहरेन पुरख़र ही धरमन
जनम जनम अमके अम्बा हो
जनम जनम अमके अम्बा
एरके हरो भाईरो नमन बेड़ा बओर
पड़हा बिन्तीन अमके अम्बा हो
पड़हा बिन्तीन अमके अम्बा
पड़हा बिन्तीन अम्बोर होले
झोंगा नू ख़तरेओर कालोर रे
गड्ड़ी नू ख़तरेओर कालोर

***

चाला आयो बिन्ती नन्दम –9

चाला आयो बिन्ती नन्दम
और नन्ते राओम निंग्हैं उल्ला माख़ा----2
चाली कोड़ा–कोड़ा बाली कोड़ा–कोड़ा
निंग्है नामेन पाड़ोम पाड़ोम आयो
निंग्हैं नामेन पाड़ोम एम

आयो बाबा भाई–बहिन एम बिन्ती नन्दम,
निंग्हैं उल्ला माख़ा ------2
राजी कोड़ा–कोड़ा,देशे कोड़ा–कोड़ा
निंग्हैं नामेन पाड़ोम पाड़ोम आयो
निंग्हैं नामेन पाड़ोम एम
ई सुन्दर धरती नू,एम बिन्ती नन्दम
निंग्हैं उल्ला माख़ा
जब तलक उज्जनूम राओम,राओम आयो
निंग्हैं नामेन पाड़ोम एम

***

अद्दी परियानू –10

अद्दी परियानू अद्दी धरम रहेचा-----2
नम्हें बेड़ा नू भट्ठी एड़पा बनचा----2
भट्ठी एड़पा काअदर कुड़ुख़र भाईरो----2
सोना चिआर दोना नेअदर ----2
दोना दोनी ओंदर दोना चाईर नन्दर----2
एड़पा नू भाई झगड़ा नन्दर----2
ख़ेता नू ओंदर ख़तरका राःअदर
निन कुड़ुख़र काहे माला मेन्दर
ढुबा नू ओंदर डुबर का राःअदर
निन कुड़ुख़र काहे माला मेंन्दर
चिपा नू ओंदर चिपर का राःअदर
निन कुड़ुख़र काहे माला मेंन्दर
लोटा नू ओंदर लोटरका राःअदर
निन कुड़ुख़र काहे माला मेन्दर

***

सारेनामन मूली नू –11

सारेनामन मूली नू "चाला आयो रअई"2.......2
गुचा आयो–बाबा बरा भाई–बहिन
ऐरा गे चाली कालोत
उपासे जिया नू चाली कालोत
सादा किचरी नू चाली कालोत
गुचा आयो–बाबा बरा भाई–बहिन
ऐरा गे चाली कालोत
लोटा नू अम्म अछत लेले कालोत
धूप धूवन फल–फूल लेले कालोत
गूचा आयो–बाबा बरा भाई–बहिन
ऐरा गे चाली कालोत

सरेना बजारे नू चाली कालोत
साँसे झूमरे नू चाली कालोत
गुचा आयो–बाबा बरा भाई–बहिन
ऐरा गे चाली कालोत

***

हे धरती आयो –12

हे धरती आयो हे चाला आयो गो
जिया निंग्हैं पूंप लेख़ा भला
काया निंग्हैं यो पूंप लेख़ा
नौर पूंपन एरोय की जिया ललचारी
एक्का अज्जू बारोयका बादम यो
हे धरती ....
औंदा उल्ला कुड़ुख़म इज्जु–अज्जू मंजकम
एक्का अज्जू बारोयका बादम यो –2
हे धरती........................
औंदा उल्ला कुड़ुख़म उख़ा डहरे केरकम
बिल्ली एदआ बारोयका बादम यो –2
हे धरती ....
लूर चिअके अकिल चिअके यो
कुड़ुख़र गे धरम बुद्धि चिअके यो –2
हे धरती ....

***

जय चाला आयोऽऽऽ –13

जय चाला आयोऽऽऽ जय चाला माँ
गुणी–गुणी करोना मोंय राऊर के पुकार
दया करू दया निधि करूँ बेड़ा पार
जय चाला आयोऽऽऽ जय चाला माँ
राऊर हिकी विद्या दायनी विद्या है अपार
राऊर हिकी दया निधी दया के भण्डार
गुणी–गुणी करोना मोंय राऊर के पुकार
दया करू दया निधि करूँ बेड़ा पार
जय चाला आयोऽऽऽ ....
हम हिइयाँ बोध बालक करथी पुकार
सुइन लेनी तनी सुना बिन्ती हमार
गुणी–गुणी करोना मोंय राऊर के पुकार
दया करू दया निधि करूँ बेड़ा पार
जय चाला आयोऽऽऽ.....................

देवी देवता कर रानी तोहें साहुकार
तोहें माता आगम जानी रखवाली सबक
गुणी-गुणी करोना मोंय राऊर के पुकार
दया करू दया निधि करूँ बेड़ा पार
जय चाला आयोऽऽऽ.......................

***

आयो हो बाबा हो गुचा कालोत -14

आयो गोऽऽ बाबा हो ऽऽ गुचा कालोत
चाला नू सेवा नानागे -2
ओ भला चालानू सेवा नानागे-2
नन्है कुडुख़ धरम नम्हैं आदी धरम
ऐरोर मनाली बेडोर मनाली
ऐरा ऐरा-5 कालोत
आयो गो ऽऽ........................
अरखी नू जिया निम्है आदी धरम
निबहूर मनाली निबहूर मनाली
ऐरा ऐरा-5 कालोत
आयो गा ऽऽ........................
लूर मल कानीम्हय चोन्हा खादकारा
ऐरोर मनानाम बेडोर मनानाम
ऐरा ऐरा-5 कालोत
आयो गो ऽऽ.........................

***

सिरसी-ता-आ काला गे -15

सिरसी-ता-आ काला गे
डहरे नू एम एकला-2
संगे चिआ हे चाला आयो
निन अमाके अम्बा रे-2
संगे चिआ हे धरमेश बाबा
चाला टोंका का लागे
डहरे नू एम एकला-2
संगे चिआ हे चाला आयो
निन अमाके अम्बा रे-2
संगे चिआ हे धरमेश बाबा
जतरा टोंका का लागे
डहरे नू एम एकला-2
संगे चिआ हे चाला आयो
निन अमाके अम्बा रे-2
संगे चिआ हे धरमेश बाबा

धरम् कुड़िया का लागे
डहरे नू एम एकला–2
संगे चिआ हे चाला आयो
निन अमाके अम्बा रे–2
संगे चिआ हे धरम बाबा

अखड़ा टोंका का लागे
डहरे नू एम एकला–2
संगे चिआ हे चाला आयो
निन अमाके अम्बा रे–2
संगे चिआ हे धरम बाबा

***

भैया बहिन मिली जुली –16

भैया बहिन मिली–झुली
निंग्है हेदे बरेदम –2
निंग्है खेड़ नोड़ागे बरेदम आयो गो –2
एमागे चिके आशीर्वाद आयो गो –2

लोटा नू अम्म लेले
निंग्है हेदे बरेदम –2
निंग्है खेड़ नोड़ागे बरेदम आयो गो –2
एमागे चिके आशीर्वाद आयो गो –2

अरजी नन्दम विनती नन्दम
निंगन आयो नन्दम एम–2
निंग्है खेड़ नोड़ागे बरेदम आयो गो –2
एमागे चिके आशीर्वाद आयो गो –2

टोंगरी परेतानू नीनिम आयो रअदी –2
निंग्है खेड़ नोड़ागे बरेदम आयो गो –2
एमागे चिके आशीर्वाद आयो गो –2

चाला टोंका नू निनीम आयो रअदी–2
निंग्है खेड़ नोडागे बरेदम आयो गो –2
एमागे चिके आशीर्वाद आयो गो –2

***

ओन कथा बाओन –17

ओन कथा बाओन होले
मेनोर होले कुड़ुखर–2
चाला आयो नम्हैय हेके–2
चाला आयो अम्के अम्बा –2

ओन कथा बाओन होले मेनोर
होले कुड़ुख़र –2
सिरसी–ता–आ नम्हैंय हेके
सिरसी–ता–आ अम्के अम्बा_

ओन कथा बाओन होले
मेनोर होले कुड़ुख़र –2
धरम कुड़िया नम्हैं हेके
धरम कुड़िया अम्के अम्बा

ओन कथा बाओन होले
मेनोर होले कुड़ुख़र –2
अद्दी धरम् नम्हैंय हेके
अद्दी धरम् अम्के अम्बा

***

चाला टोंका काना –18

चाला टोंका काना डहारे
एम आयो डहारेन बेड़ार कम
डहरे हेदे चाला आयो डहरे–डहरे कालोम
बिल्ली हेदे चाला आयो बिल्ली – बिल्ली कालोम
एम आयो डहारेन बेड़ार कम –2

धरम कुड़िया काना डहारे
एम आयो डहारेन बेड़ार कम
डहरे हेदे चाला आयो डहरे–डहरे कालोम
बिल्ली हेदे चाला आयो बिल्ली – बिल्ली कालोम
एम आयो डहारेन बेड़ार कम –2

अखड़ा टोंका काना डहरे
एम आयो डहारेन बेड़ार कम
डहरे हेदे चाला आयो डहरे–डहरे कालोम
बिल्ली हेदे चाला आयो बिल्ली – बिल्ली कालोम
एम आयो डहारेन बेड़ार कम –2

समाज सेवा काना डहारे
एम आयो डहारेन बेड़ार कम
डहरे हेदे चाला आयो डहरे–डहरे कालोम
बिल्ली हेदे चाला आयो बिल्ली – बिल्ली कालोम
एम आयो डहारेन बेड़ार कम –2

झखड़ा टोंका काना डहारे
एम आयो डहारेन बेड़ार कम
डहरे हेदे चाला आयो डहरे–डहरे कालोम
बिल्ली हेदे चाला आयो बिल्ली – बिल्ली कालोम
एम आयो डहारेन बेड़ार कम –2

***

चला कलोबरी –19

चाला कलो बरी
नीन आयो केबेदी
नीन बबा केबेदय
ने बछा बःओन चाला टोंकान
ने बछा बःओन धरम् अड्डान
चाला सेवा ननो बरी
नीन आयो केबेदी नीन बाबा केबेदय
ने सेवा ननो चाला आयोन
ने जगा बःओन अद्दी धरमन्
धरम् कुड़िया कलो बरी
नीन आयो केबेदी नीन बाबा केबेदय
ने बछा बःओन धरम् कुड़ियाम
ने बछा बःओन रीति रिवाज़न
अखड़ा कलो बरी
नीन आयो केबेदी नीन बबा केबेदय
ने बछा बःओन नम्हैं अखड़ान
ने बछा बःओन अखड़ा ओहमान
चाला ओहमा कालो बरी
नीन आयो केबेदी नीन बाबा केबेदय
ने पाड़ो चाला ओहमान
ने जगा बओन अद्दी धरमन्

***

सोना गहि पिजंरा –20

सोना गहि पिजंरा रुपा गहि जीया –2
उन्दुल जीया धर्मेश गुसन कालो रे–2
जीया रअना गुटी धरम –करम ननोत–2
उन्दुल जीया धर्मेश गुसन कालो रे–2
ख़ाज गहि काया ख़ज्ज़ेनूम कालो
रअना जीया धर्मेश गुसन कालो रे
चिच्च गहि काया चिच्चीनूम कालो
रअना जीया धर्मेश गुसन कालो रे
अम्म गहि काया अम्मेनुम कालो
रअना जीया धर्मेश गुसन कालो रे

***

जाईग उठा रे –21

जाईग उठा रे आदिवासी आयो–बाबा
भाई–बहिन मन –2
चाला आयो हमरे के बोलाथे रेऽऽ
धरम बाबा हमरे के बोलाथे
लोटा में पानी लेकेऽऽऽ अंचरा में चाउर लेके –2
चाला आयो हमरे के बोलाथे रे.ऽऽ
धरम बाबा हमरे के बोलाथे
चला जाब रे.ऽऽऽ आयो के खोजेक ले –2
चाला आयो हमरे के बोलाथे रेऽऽ
धरम बाबा हमरे के बोलाथे
चला जाब रेऽऽऽ आयो के दर्शन ले–2
चाला आयो हमरे के बोलाथे रेऽऽ
धरम बाबा हमरे के बोलाथे

***

पद्दा 2 परेदा लगीयो –22

पद्दा 2 नू "परेदा लगी यो"
परेदा लगी यो, परेदा लगी सरईमन –2
सरई पुंप ती पूजा ननोम
चाला आयो सेवा ननोत
चाला 2 नू "परेदा लगी यो"2
परेदा लगी सरई मन
सरई पुंप ती पूजा ननोम
चाला आयो सेवा ननोत
खूरी 2 नू "परेदा लगी यो"2
परेदा लगी सरई मन
सरई पुंप ती पूजा ननोम
चाला आयो सेवा ननोत
डहरे 2 नू "परेदा लगी यो"2
परेदा लगी सरई मन
सरई पुंप ती पूजा ननोम
चाला आयो सेवा ननोत
ऐड़पा 2 नू "परेदा लगी यो"2
परेदा लगी सरई मन
सरई पुंप ती पूजा ननोम
चाला आयो सेवा ननोत

***

ई खेखल राजी –23

ई खेखल राजी रूपे खाड़न कट्टागे
नम्हैं गुसन कोहा जहाज र–अई –2
अद्दी धरम् रूपे कोहॉ जहाज र–अई
नम्हैं गुसन कोहा जहाज र–अई –2
महायदेवस–पारवती अनु उक्का राअनर,
नम्हैं गुसन कोहा जहाज र–अई
नम्हैं गुसन अद्दी धरम् र–अई
नमन खाड़न कडता–आगे उक्का रा–अनर
नाम ईंवदा कोहॉ जहाजन अम्बा –2 नोत रे
नाम सन्नी–सन्नी डोंगीन धर–आर की कट्टागे
कट्टा गे बोंगोर नख़रा लगदर
धर्मेश नमागे अख़ना बुध्दिन चि–अदस नेकअन
हय धर्मेश अख़ना लूरन चि–अदस रे
सन्नी–सन्नी डुंगीता उक्का गुरू गुरूवाईन
नमन कहियो खाड़न कड़ता–आ पोल्लोर
ई डुंगी हरो भाईरो ख़ाड़ मजही भंवर नु
कोर–ओर, बेड़ार–ओ कालो भईरो
नीम हरो भईरो ख़ाड़ माझी भंवर नु,
कोर–ओर बेडार–ओर कालोऽऽर रे
एब्स–ओर, मुंजरो–ओर कालोर

अद्दी धरम् गहि दोहाई

***

ईंवदा कोहा राजी –24

ईंवदा कोहा राजीन नीनिम आयो कमचकी
निंग्है आयो ओहमा पाड़ोम –2
निम्है ओहमा निंग्है सेवा
एम नानोम आयो जिनीगी भइर
कामचकी आयो पोषाआ परदआ लगदी
निंग्है आयो ओहमा पाड़ोम
निंग्है ओहमा निंग्है सेवा एम नानोम
आयो जिनीगी भइर –2
कामचकी आयो आशीष दुवा चिआ लगदी
निंग्है आयो ओहमा पाड़ोम

निंग्हैं ओहमा निंग्हैं सेवा एम नानोम
आयो जिनीगी भइर –2

  कामचाकी आयो लोला चोन्हा नाना लगदी
  निंग्है आयो ओहमा पाड़ोम
  निंग्हैं ओहमा निंग्हैं सेवा एम नानोम
  आयो जिनीगी भइर –2

कामचाकी आयो लुर बुद्धि चिआ लगदी
निंग्हैं आयो ओहमा पाड़ोम
निंग्हैं ओहमा निंग्है सेवा एम नानोम
आयो जिनीगी भइर –2

***

कला–कला धरमे –25

कला–कला धरमे, छाछेड़ा बेचा कला
कला धरमें छाछेड़ा बेचा –2 रे

  लीली भूली खैर खूटी हो–आ कला
  कला धरमें छाछेड़ा बेचा –2 रे

सिरसी–ता–आ नाले, गंगेला ही खाईड़ नू
कला धरमें छाछेड़ा बेचा –2 रे

  सोना गहि टंइड़ी, डण्डा नूम छाछेड़ा ओक्ता
  कला धरमें छाछेड़ा बेचा –2 रे

रूपे गहि कोंचोन हो–आ कला धरमें
कला धरमें छाछेड़ा बेचा –2 रे
कला कला धरमें..........................

***

निंगन मोधरोम –26

निंगन मोधरोम कियोऽऽऽ एकेशन कालोम एमऽऽ
जिया हुँ याइद ननी काया हुँ याइद ननी
निंगन मोधरोम ....

  रीति रिवाज मोधरारकम संस्कृतिन मोधरारकम
  निंगन मोधरोम कि.......................
  जिया हुँ याइद ननी काया हुँ याइद ननी –2
  निंगन मोधरोम किऽयोऽऽऽ एकेशन कालोम एमऽऽ

भाषा–गाऽऽ मोधरारकमऽऽऽ संस्कारेण मोधरारकम
सुख नु याइद ननी दुःख नु याइद ननी –2
निंगन मोधरोम कि यो ऽऽऽ एकशन कालोम एम
जिया हुँ याइद ननी काया हुँ याइद ननी –2
निंगन मोधरोम कियो ऽऽऽ एकशन कालोम एम ऽऽऽऽ

अद्दी धरम् मोधरारकम सादा धरम माधरारकम
निंगन मोधराम किऽयोऽऽऽ एकशन कालोम एम
उल्ला हूँ याइद ननी माख्रा हूँ –2
निंगन मोधरोम कियोऽऽऽ एकेशन कालोम एम

***

झरियान्ता अम्म लेख्रा –27

चाला टोंका एका दावले झरियान्ता अम्म लेख्रा –2
चोआ –2 भाईरो निनआगे बरा,
बरा–2 भइरो निनआगे बरा
चाला टोंका.................................

सिरसी–ता–आ एका दावले झरियान्ता अम्म लेख्रा–2
चोआ–2 भईरो निनआगे बरा
बरा –2 भाईरो निनआगे बरा
चाला टोंका............

झख्ररा टोंका एका दावले झरियान्ता अम्म लेख्रा–2
चोआ–2 भइरो निनआगे बरा
बरा–2 भाईरो निनआगे बरा
चाला टोंका............

जतरा टोंका एका दावले झरियान्ता अम्म लेख्रा–2
चोआ–2 भइरो निनआगे बरा
बरा –2 भाईरो निनआगे बरा
चाला टोंका............

***

मनुख्र रूपे जन्म चिच्चकी –28

ई सौंसे राजी नू यो मनुख्र रूपे जन्म चिच्चकी–2
सोंचा –2 यो जिया एम्हैं चिंख्रा लागी
सोंचा –2 यो जिया एम्है बिलख्रा लागी ।
ई सौसे..............

ई लेख्रा बेड़ानू यो मन्ने मासन नीनिम कमचकी –2
सोंचा –2 यो जिया एम्हैं चिंख्रा लागी

सोंचा –2 यो जिया एम्है बिलख़ा लागी ।
ई सौसे...............
ई लेखा बेड़ा नू यो चन्दो बीड़ीन नीनिम कमचकी –2
सोंचा –2 यो जिया एम्हैं चिंखा लागी
सोंचा –2 यो जिया एम्है बिलखा लागी ।
ई सौसे...............
ई लेखा बेड़ा नू यो उल्ला माख़न नीनिम कमचकी –2
सोंचा –2 यो जिया एम्हैं चिंखा लागी
सोंचा –2 यो जिया एम्है बिलखा लागी ।
ई सौसे.............

***

एम्हैं जुड़ी संगेर –29

एम्हैं जुड़ी संगेर सलै–सलै स्कूल काना रे –2
आयो–बाबा ऐंगन मना नना रे
ऐंगन आड्डो ख़ापा तय नर
ऐंगन घासी खोया तयनर
एम्हैं जुड़ी संगेर सलै–सलै चाला टोंका काना रे –2
आयो–बाबा ऐंगन मना नना रे
ऐंगन आड्डो ख़ापा तय नर
ऐंगन घासी खोया तयनर
एम्हैं जुड़ी संगेर सलै–सलै धरम् कुड़िया काना रे –2
आयो–बाबा ऐंगन मना नना रे
ऐंगन आड्डो ख़ापा तय नर
ऐंगन घासी खोया तयनर

***

धरम् बिल्ली –30

धरम् बिल्लीन बछा बहदर होले, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो –2
गुचा आयो हेदे, बरा बाबस हेदे, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो –2
धरम् बिल्लीन.................
चला टोंकन बछा बहदर होले, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो –2
गुचा आयो हेदे, बरा बाबस हेदे, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो –2
धरम् बिल्लीन.................
अखड़ा नम्हयन बछा बहदर होले, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो –2
गुचा आयो हेदे, बरा बाबस हेदे, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो –2
धरम् बिल्लीन................

धरम कुड़ियन बछा बहदर होले, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो–2
गुचा आयो हेदे, बरा बाबस हेदे, आदिवासी कुँड़ुख़ भाईरो–2
धरम बिल्लीन.................

धरम नम्हयन बछा बहदर होले आदिवासी कुँडुख भइरो –2
गुचा आयो हेदे, बरा बाबस हेदे आदिवासी कुँडुख भइरो –2
धरम बिल्लीन.................

***

एका बेसे धर्मेश राअदस –31

ई सौंसे राजी नू ई टोंड़ग माझी नू
एका बेसे धर्मेश राअदस हो भला –2
ई सौंसे राजी नू ....

चन्दो लेखा हूँ माला बिड़ी लेखा हूँ माला–2
भला एका बेसे धर्मेश राअदस हो भला –2
ई सौंसे राजी नू ....

अम्म लेखा हूँ माला चिच्च लेखा हूँ माला –2
भला एका बेसे धर्मेश राअदस हो भला –2
ई सौंसे राजी नू ....

पूंप लेखा हूँ माला अच्चे लेखा हूँ माला –2
भला एका बेसे धर्मेश राअदस हो भला –2
ई सौंसे राजी नू ....

मन्ने लेखा हूँ माला, मासे लेखा हूँ माला –2
भला एका बेसे धर्मेश राअदस हो भला –2
ई सौंसे राजी नू ....

***

धरम् टुवर अमके नना –32

आयो टुवर आमके ननोय धरमे बाबा टुवर ननोन नीन –2
धरम् टुवर आमके नाना धरमें, समाज टुवर आमके नाना –2

भाई टुवर ननोय धरमे बहिन टुवर ननोन नीन –2
धरम् टुवर आमके नाना धरमें, समाज टुवर आमके नाना –2

संगी टुवर ननोय धरमे साथी टुवर ननोन नीन –2
धरम टुवर आमके नाना धरमें, समाज टुवर आमके नाना –2

शौक टुवर ननोय धरमे सिंगार टुवर ननोन नीन –2
धरम् टुवर आमके नाना धरमें, समाज टुवर आमके नाना –2

अन्न टुवर ननोय धरमे धन टुवर ननोन नीन –2
धरम् टुवर आमके नाना धरमें, समाज टुवर आमके नाना –2

एड़पा टुवर ननोय धरमे पद्दा टुवर ननोन नीन –2
धरम टुवर आमके नाना धरमें, समाज टुवर आमके नाना –2

***

ई सुन्दर धरती ने दूरा कमचा –33

ई सुन्दर धरती ने दूरा कामचा एरा एरा –2
एरा–2 जिया साली अकय खुशी मानी एरा–2 काया साली–2
चन्दो बीड़ी बिनकोन चाला आयो कामचा एरा एरा–2
एरा–2 जिया साली अकय खुशी मानी एरा–2 काया साली–2
मंदिर–मस्जिद गिरिजाबनचा खोखा –2
एरा–2 जिया साली अकय खुशी मानी एरा–2 काया साली–2
मन्ने मासेन चाला आयो कामचा एरा एरा –2
एरा–2 जिया साली अकय खुशी मानी एरा–2 काया साली–2
टांगरा–टोंगरी नूम चाला आयो कामचा एरा एरा –2
एरा–2 जिया साली अकय खुशी मानी एरा–2 काया साली–2
ई सुन्दा धरतीन............

***

बरा भईयारो –34

बरा भईयारो बरा बहिन रो
चाला टोंका कालोत संगे संगे –2
अयंग गहि ओहमा पाड़ा गे धर्मेश गहि बिनती ननागे –2
बरा भईयारो बरा बहिन रो धरम् कुड़िया कालोत संगे संगे –2
अयंग गहि ओहमा पाड़ा गे धर्मेश गहि बिनती ननागे –2
बरा भईया रो बरा बहिन रो जतरा टोंका कालोत संगे संगे –2
अयंग गहि ओहमा पाड़ा गे धर्मेश गहि बिनती ननागे –2
बरा भईया रो ....

***

ओहरे नम्हय जिया –35

ओहरे नम्हय जिया –2
धरमेंसीन ओहरा नानी, धरमेंसीन बिनती नानी –2
एका बीरी बीड़ी आरगी, एका बीरी बीड़ी पुत्ती –2
खुड़ती – लोहाड़ी धरमेंसीन एरा बिद्दी –2
ओहरे नम्है................

ई राजी सोना लेखा,ई राजी हीरा लेखा –2
अन्नु हूँ जिया गे बेस मला लागी
ओहरे नम्हय.............

बरा हरो भइरो, बरा हरो बहिन बगारो, ओरमत संगे कालोत–2
धरमेसीन ओहरा नाना, धरमेंसीन विनती नाना–2
ओहरे नम्हय.........

***

चईल बरआ लगी –36

चईल बारा लागी हायरे उदूर–उदूर चाला आयो –2
बरा हो भाई बहिन लोटा अम्मे ओंदोरा खेडेन नोड़ोत –2
चईल बारा ....

दुःख मला चिओ नमा चिओ चाला आयो –2
चईल बारा ....

अकय दव पाड़ोता नाम, डंडीन पाड़ोत भाई बहिन –2
चईल बरा ....

***

अना आदि चाला आयो –37

अन्ना आदि चाला एकेसन रअदी एकसन रअदी –2
बरय–बरय यो एम्हैं माया समसराय कालय –2 अना आदि........

अना आदि चाला आयो जनम चिच्चकी करम चिच्चकी–2
बरय बरय यो एम्हैं माया समसराय कालय –2 अना आदि.....

अना आदि चाला आयो लूर चिच्चकी अकिल चिच्चकी–2
बरय बरय यो एम्हैं माया समसराय कालय –2 अना आदि.........

अना आदि चाला आयो अन्न चिच्चकी धन चिच्चकी–2
बरय बरय यो एम्हैं माया समसराय कालय –2 अना आदि.....

अना आदि चाला आयो धरम चिच्चकी करम चिच्चकी –2
बरय बरय यो एम्हैं माया समसराय कालय –2 अना आदि.........

***

छोटे–छोटे छऊवा मन –38

छोटे–छोटे छऊवा मन तोरे ठिना आली यो –2
तोरे हि पूजा करे ले , ऐ आयो तोरे हि सेवा करेले
समाज जे टूटल आहे भाषा जे छुटल आहे
अइसन लागेला नाता आपन से छुटल आहे
छोटे–छोटे..

धरम् भूलाई रही करम भूलाई रही
देखा चरियो कोना कुछो नी पाई रही–2
छोटे–छोटे...

रीति भूलाई रही रिवाज़ भूलाई रही
तोरे ठीना आली धरम डहर पाई रही –2
छोटे–छोटे.......................................

करू विश्वास आयो तोरे संतान में,
अब तो मोर दिन बिते तोरे गुणगान में –2
छोटे–छोटे...

***

कोड़ा कोड़ा नू सिरजाचकी –39

कोंड़ा कोंड़ा नू सिरजाचकी आयो बिरजाचकी –2
हे चाला आयो हे धरमेश बाबा एमागे सुखी शान्ति चिअके –2
कोंड़ा कोंड़ा नू ....

धरम् टुवर आलम एम सेवा नन्दम पूजा नन्दम –2
हे चाला आयो हे धरमेश बाबा एमागे सुखी शान्ति चिअके–2
कोंड़ा कोंड़ा नू ....

अयंग टुवर आलम एम सेवा नान्दम पूजा नन्दम –2
हे चाला आयो हे धरमेश बाबा एमागे सुखी शान्ति चिअके –2
कोंड़ा कोंड़ा नू ....

राजी राजी नू सिरजाचकी आयो बिरजाचकी –2
हे चाला आयो हे धरमेश बाबा एमागे सुखी शान्ति चिअके–2
कोंड़ा कोंड़ा नू ....

***

किरा मनेवा –40

किरा–किरा मनेवा शैतान गहि डहरेनती किरा किरा मनेवा–2
हिसंगा पोटगंन अम्बर की अद्दी धरम् होआर की –2
किरा–किरा मनेवा शैतान गहि डहरेनती किरा किरा मनेवा–2

अरखी झरा अम्बर की अद्दी धरम् हो आर की –2
किरा–किरा मनेवा शैतान गहि डहरेनती किरा किरा मनेवा–2

लड़ाई झगड़ा अम्बर की अद्दी धरम् आर की –2
किरा–किरा मनेवा शैतान गहि डहरेनती किरा किरा मनेवा–2

नाद मुदई अम्बर की अद्दी धरम् हो आर की–2
किरा–किरा मनेवा शैतान गहि डहरेनती किरा किरा मनेवा–2

***

गेच्छा गेच्छन्ति अम्बा –41

गेच्छा गेच्छन्ति अम्बा ऐरा कुडुख़र –2
चाला टोंका नमन मेख़ा लागी हो। गेच्छा.....
        गेच्छा गेच्छन्ति अम्बा ऐरा कुडुख़र –2
        सिरसी–ता–आ नमन मेख़ा लागी हो। गेच्छा.....
गेच्छा गेच्छन्ति अम्बा ऐरा कुडुख़र –2
ककड़ो लाता नमन मेख़ा लागी हो। गेच्छा.....
        गेच्छा गेच्छन्ति अम्बा ऐरा कुडुख़र –2
        धरम् कण्डो नमन मेख़ा लागी हो। गेच्छा.....
गेच्छा गेच्छन्ति अम्बा ऐरा कुडुख़र –2
धरम् कुड़िया नमन मेख़ा लागी हो। गेच्छा.....
        गेच्छा गेच्छन्ति अम्बा ऐरा कुडुख़र –2
        ढ़कनी चुँआ नमन मेख़ा लागी हो। गेच्छा.....

***

जिया कालो बीरी –42

जिया SSS कालो, बीरी, धरमे
काया SSS कालो बीरी SSS ने हूँ संगे मला कालोर –2
        आयो बाबा, भाई–बहिन संगे मला कलोर –2
        जिया SSS कालो बीरी धरमें, काया SSS कालो बीरी –2
अन्ना–धना डिबा–कॉडी संगे मला कालो–2
जिया SSS.....धरमे, काया SSS.....
ने हूँ संगे माला कालोर धरमे जिया SSS.....
        मेना हरा मेना हरो
        धरम–करम संगे–संगे कालो
        जिया कालो बीरी, धरमे, काया कालो......

***

आदिवासी कुँडुख़ भइरो –43

आदिवासी कुँडुख़ भइरो एकेसना केरर एकेसन बेड़ारर–2
बरय चाला आयो ओरमरिन मेंख्रय बारा धर्मे बेदार ओन्दरा–2
        चाला टोंकन मोधरार की एकेसना केरर एकेसन बेड़ारर–2
        बरय चाला आयो ओरमरिन मेंख्रय बारा धर्मे बेदार ओन्दरा–2
धरमकुड़ियन मोधरार की एकेसना केरर एकेसन बेड़ारर–2
बरय चाला आयो ओरमरिन मेंख्रय बारा धर्मे बेदार ओन्दरा–2
        अखड़ा नम्हैंन मोधरार की एकेसना केरर एकेसन बेड़ारर–2
        बरय चाला आयो ओरमरिन मेंख्रय बारा धर्मे बेदार ओन्दरा–2

***

खांजाअलख़ो चुरुख़ी –44

कुँडुख़र चाला आयो मोधेररर केरर, कुँडुख़र धरमेसीन मोधेरर केरर–2

झखरा टोंका गही दशा एरर की खांजालख़ो चुरुख़ी,
खांजालखो चुरुख़ी,–2
कुँडुख़र चाला आयो मोधेररर केरर, कुँडुख़र धरमेसीन मोधेरर केरर–2

जतरा टोंका झखरा टोंका गही दशा एरर की खांजालखो चुरुखी,
खांजालखो चुरुखी,–2
कुँडुख़र चाला आयो मोधेररर केरर, कुँडुख़र धरमेसीन मोधेरर केरर–2

समाज झखरा टोंका गही दशा एरर की खांजालखो चुरुखी,
खांजालखो चुरुखी,–2
कुँडुख़र चाला आयो मोधेररर केरर, कुँडुख़र धरमेसीन मोधेरर केरर–2

सिरा सिता झखरा टोंका गही दशा एरर की खांजालखो चुरुखी,
खांजालखो चुरुखी,–2
कुँडुख़र चाला आयो मोधेररर केरर, कुँडुख़र धरमेसीन मोधेरर केरर–2

चाला टोंका झखरा टोंका गही दशा एरर की खांजालखो चुरुखी,
खांजालखो चुरुखी,–2
कुँडुख़र चाला आयो मोधेररर केरर, कुँडुख़र धरमेसीन मोधेरर केरर–2

***

अद्दी धरम् –45

अद्दी धरम् लेखा दुनिया नू ने हूँ माला –2
हिड़ी बरय से चाला आयो हेदेन्ती एरा तुकी –2
सिरसी–ता–आ लेखा दुनिया नू ने हूँ माला –2
हिड़ी बरय से चाला आयो हेदेन्ती एरा तुकी –2
धरती आयो लेखा दुनिया नू ने हूँ माला –2
हिड़ी बरय से चाला आयो हेदेन्ती एरा तुकी –2
चाला टोंका लेखा दुनिया नू ने हूँ माला –2
हिड़ी बरय से चाला आयो हेदेन्ती एरा तुकी –2
नम्हें धर्मेश लेखा दुनिया नू ने हूँ माला –2
हिड़ी बरय से चाला आयो हेदेन्ती एरा तुकी –2
अद्दी धरम् लेखा.......

***

जिया नू -47

जिया नू SSS बिल्ली नना जिया धरमे
काया नू बिल्ली ननाSSS हाय रे हाय------2
जोड़गर घी बिल्लीन एर्ग्हैं
जिया नू 3
जिया नू SSS बिल्ली नना जिया धरमे
काया नू बिल्ली ननाSSS हाय रे हाय------2
शांति घी बिल्लीन एर्ग्हैं
जिया नू 3
जिया नू SSS बिल्ली नना जिया धरमे
काया नू बिल्ली ननाSSS हाय रे हाय------2
लूर अकिल घी बिल्लीन एर्ग्हैं
जिया नू 3
जिया नू SSS बिल्ली नना जिया धरमे
काया नू बिल्ली ननाSSS हाय रे हाय------2
धरम गहि कथन एर्ग्हैं
जिया नू 3
जिया नू SSS बिल्ली नना जिया धरमे
काया नू बिल्ली ननाSSS हाय रे हाय------2

***

हे चाला आयो -48

हे चाला आयो ऐकेसन राअदी----2
ऐरा गे जिया तरसारी -2
एम्हैं ऐन्देर गे जिया चिंखा लागी -2
उल्ला माखे आंया नेगन बददम-2
एक्सन राअदी आयो बेदा पोलदम-2
हेदे बराय चाला आयो हे आयो -2
एक्सन रःअदी बंगायो -2
हे चाला..................
ऐका से ऊजोन आयो पापी राजी नू
होरमर काअनर आयो पापी डहरे नू
ऐंगन होअनर चाला यो हे आयो
ऐन्देर ननोन बंगायो SSS.........
हे चाला.........

***

नीनीम उरबा यो -49

नीनीम उरबा योऽऽ नीनम बंगायोऽऽ-2
खेखेल बीड़ी, बिनकोन कमेचकम, धरमेऽऽ-2
सन्नी कोहा जिया जन्तुन नीनीम धरमें कमेचकमऽऽ-2
ओना मोख़ा गे चिआ लगदय धरमेंऽऽऽ-2
ताका अम्में चिच्च पिड़न नीनीम धरमें कमेचकयऽऽ-2
मन्नें मासन सृजकायऽऽ धरमें-2
नीनीम उरबा..................................

***

चाला टोंका कालो बारी -50

चाला टोंका कालो बारी
चाला आयो निंगानूम एरातुकी
धरमें बाबा निगानूम बेद्दा तुकी
धरम कुड़िया कालो बारी
चाला आयो निंगानूम एरातुकी
धरमें बाबा निगानूम बेद्दा तुकी
अखड़ा टोंका कालो बारी
चाला आयो निंगानूम एरातुकी
धरमें बाबा निगानूम बेद्दा तुकी
जतरा टोंका कालो बारी
चाला आयो निंगानूम एरातुकी
धरमें बाबा निगानूम बेद्दा तुकी

***

एका बीरी सोचोतो चाला -51

एका बीरी सोचोतो चाला आयोन सोचतो---2
चाला आयो जिनगी नू साहेरा राई,
चाला आयो बेड़ा पार ननो------2
पईरी बीरी सोचोत चाला आयोन सोचतो---2
चाला आयो जिनगी नू साहेरा राई,
चाला आयो बेड़ा पार ननो------2
एका बीरी........
मखा बीरी सोचोत चाला आयोन सोचतो---2
चाला आयो जिनगी नू साहेरा राई,
चाला आयो बेड़ा पार ननो------2
एका बीरी............

***

डहरे नू सोचोत चाला आयोन सोचतो---2
चाला आयो जिनगी नू साहेरा राई,
चाला आयो बेड़ा पार ननो-------2
एका बीरी........

नलख बीरी सोचोत चाला आयोन सोचतो---2
चाला आयो जिनगी नू साहेरा राई,
चाला आयो बेड़ा पार ननो-------2
एका बीरी........

***

अरखी झरा ओना -52

अरखी झरा ओना-ओना नम्हय आलर खतेरार
नम्हय आलर डुबेरर------2
हाय रे नम्हय आलर ऐड़ो मना लगनर
बेड़ो मना लगनर

चाला टोंकन नम्हय आलर खतेरार
नम्हय आलर डुबेरर------2
हाय रे नम्हय आलर ऐड़ो मना लगनर
बेड़ो मना लगनर

धरम कुड़िया अम्बर की नम्हय आलर खतेरार
नम्हय आलर डुबेरर------2
हाय रे नम्हय आलर ऐड़ो मना लगनर
बेड़ो मना लगनर

ककड़ो लात्ता अम्बर की नम्हय आलर खतेरार
नम्हय आलर डुबेरर------2
हाय रे नम्हय आलर ऐड़ो मना लगनर
बेड़ो मना लगनर

***

चाला टोंका नू -53

चाला टोंका नू चाला-चाला आयो--2
मेखा लगी नमन भाइरो
बरा हरो बहिन बगारो

धरम कुड़िया नू चाला-चाला आयो--2
मेखा लगी नमन भाइरो
बरा हरो बहिन बगारो

झखड़ा टोंका नू चाला-चाला आयो--2
मेखा लगी नमन भाइरो
बरा हरो बहिन बगारो

चाला सभा नू चाला–चाला आयो––2
मेखा लगी नमन भाइरो
बरा हरो बहिन बगारो
चाला टोंका नू चाला.......................

***

ऐकेशन राअदय धरमे –54

ऐकेशन राअदय धरमे
निंग्हैं बिगर चइन मला लगी हाय हो,
निंग्हैं बिगर चइन मला लगी
दुनियान्ता हिलो–होल,डोलो–डोल हराकाइत्तती
जिया कल्पारई हाय हो
काया थरथरई–––––2
आलर हिलो–होल,डोलो–डोल हराकाइत्तती
राजी ओला लगी हाय हो
देशे डूबा मनी––––2
निंग्हैं धरम डहरे–डहरे बराकाइत्तती
हूरमी दौव मनी हाय रे
एम्हैं उबर मनी–––––––2

***

अजय सोभई बाबा महायदेव –55

अजय सोभई बाबा महयदेव अजय सोभई बाबा
निंग्हय आल रूपे अजय सोभई बाबा
निंग्हय कुक्क जट्टा अजय सोभई बाबा
निंग्हय आल रूपे अजय सोभई बाबा
निंग्हय कड़ेमा–ता कराधन अजय सोभई बाबा
निंग्हय आल रूपे अजय सोभई बाबा
निंग्हय अढ़ाई अरा किचरी चोचका अजय सोभई बाबा
निंग्हय आल रूपे अजय सोभई बाबा
निंग्हय खेक्खा ता धरचका पन्ना डन्डा अजय सोभई बाबा
निंग्हय आल रूपे अजय सोभई बाबा

कथा : ई रूपे नुम बाबा एम्हय पुरुखर गुसन बरचकय ।।

धरम् गहि बिल्ली –56

धरम् गहि बिल्ली तेभेरा लागी हो कुडुख़ भाईरो–2
बरा से होरमार ओन जूट मनोत,
धरम् बिल्ली दगा कालोत–2
धरम् कुड़िया नम्हैं खतेरा लागी हो कुडुख़ भाईरो–2
बरा से होरमार ओन जूट मनोत,
धरम् बिल्ली दगा कालोत–2
अद्दी धरम् नम्हैं बेडारा लागी हो कुडुख़ भाईरो –2
बरा से होरमार ओन जूट मनोत,
धरम् बिल्ली दगा कालोत–2
चला आयो नम्हैं मेख़ा लागी हो कुडुख़ भाईरो–2
बरा से होरमार ओन जूट मनोत,
धरम् बिल्ली दगा कालोत–2

***

चाला टोंका नू प्रेम –57

चाला टोंकानू प्रेम संगे रओत दया संगे रओत–2
प्रेम संगे रओत दया संगे रओत,
चाला टोंका नम्हैं हरियारा मन्ने लेखा शोभोत–2
धरम कुड़िया नू प्रेम संगे रओत दया संगे रओत–2
प्रेम संगे रओत दया संगे रओत,
धरम कुड़िया नम्हैं हरियारा मन्ने लेखा शोभोत–2
कुडुख़ खोड़हा नू प्रेम संगे रओत दया संगे रओत–2
प्रेम संगे रओत दया संगे रओत,
कुडुख़ खोड़हा नम्हैं हरियारा मन्ने लेखा शोभोत–2

***

करम डन्डी–1

सातो भईया

सातो भईया सातो करम गाड़े –2
सातो गोतनी सेवा करें–2

छोट भईया उपसाल बड़ भईया पियासल..2
मईझला भईया करम का सेवा हो....2
सातो भईया..........
छोट भाईया मान्दर बाजाये बड़ भईया खेले–2
सातो गोतनी सेवा करें–2
सातो भाईया..............

***

नीन भईया रे

नीन भईया रे, ख़रा लगा चगिया –2
धरम् नम्हय उज्जोका मला हो –2
झरा बोड़े ओंदर, ख़रा बेजय नंदर –2
जम्बु झरियन बंधा नंदर हो
केड़ा झरियन बंधा नंदर –2
जुवा तास बेचदर, ख़रा बेजय नंदर –2
मुक्का ख़द्न घासी बिसा तईदर हो –2
मुका ख़द्न घासी बिसा तईदर–2
नीन भईया रे, ख़रा लगा चगिया –2
धरम् नम्हय उज्जोका मला हो –2

***

आयो अरखी ओनी

आयो अरखी ओनी, बाबस अरखी ओनदस–2
जिया नम्हैं कुहकते रअई....
काया नम्हैं चिखातिम रअई
एड़पा नू एरो होले, तिखिल खेश हूँ मला.....2
कुल किड़ा एऽऽकासे कालो हा
कुल किड़ा एऽऽकासे बोंगो.....
सन्नी कोहा भाई–बहिन, एकासे पढ़ोर
अदिन ऐरा जिया नम्है साली
अदिन ऐरा जिया नम्है चिंखी
बरा आयो बाबा समाज गणे ओक्कोत
बरा आयो बाबा धरम् डहरे कालोत
होले नम्है एड़ेपन सुधारओ हो 2

***

आकुता आयो

आकुता आयो कलकटा राजी
उड़न बाज हेदे–हेदे काली–2
राऊरकेला हटिया, मोराफारी, रामगढ़
कारखाना निंदिया केरा 2
आकुगा आयो छोटे–2 रःअनर 2
बुद्धि गा खःरा कोहा रःअई 2
बुद्धि ही बले नु उड़न बाज कमचर
बुद्धि गा खरा कोंहा राःअई 2

***

बारह महिना नू

बारह महिना नू राजी करम बरेचा –2
नम्हैं माझी नू राजी करम बरेचा
चारियो कोडान्ति पाहियर बरेचर –2
पंच भईयर अखेड़ा नू बरेचर–2
करम बेचागे पेल्लय जोख़य बरेचर–2
गाँवा भईयार करम ऐरा बरेचर–2
नयगस–पुजरस करम पूजा नंन्जर–2
भईया बहिन करम सेवा नंन्जर–2
बरा भईया बहिन संगे–संगे बेचोत –2
साल भईर नू करम राजा बरेचा –2
बारह महिना नू.................................

***

गुचा भईया बहिन

गुचा भईया बहिन वचा टूड़ा कालोत
मला मेनोर पस्तारोर कालोर हो–2
पढ़ोत लिखोत भईया होशियार मानोत
तंग्आ/नम्हैं जीवन सुधार नानोत हो––2
माला मेनोर आयो माला मेनोर बाबा
खेःख़ा नूम लकेठा धरोत हो––2
मला मेनोर भईया माला मेनोर बहिन
खोख़ा नूम पस्तारोर कलोर हो...2

चोआ ईज्जा अम्बा

चोआ ईज्जा अम्बा खंदरा आदिवासी भईया रो
चाला आयोन मेख़ा लगी, धर्मेश बाबा मेसा लगदस
एवंदा उल्ला खंदरोत, पईरी मंजा केरा –2
चला आयो मेख़ा लगी। र्धे बाबा मेख़ा लगदस
गुचा भईया बहिन संगे–संगे कालोत
चाला आये मेखा लगी, धर्मेबाबा मेखा लगदस
नौर पुपन नेरोन खने जीया नंघय साली ...2
चाला आयो मेख़ा लगी धर्मे बाबा मेख़ा लगदस

***

नीन हीरा बहिन

नीन हीरा बहिन धरती आयो हिकदीन
धरम निंग्है अम्बके विसा हो––2
अद्दी धरम् अम्बके बिसा
नीन हीरा बहिन छैलो सिंगार मंदी
धरम् निंग्है अम्बके विसा हो––2
अद्दी धरम् अम्बके बिसा
पंचर ही हुकुम निंग्न बहिन बिसकम
सईया सेवा नानोम का माला ...2 हो
सईया सेवा नानोम हेले नीन
नीन बहिन मेरख़ा राजी कालोम

***

टोंगरी के तरे–तरे

टोंगरी के तरे–तरे बोदी मोंय रोपलो–2
संय बंदेरा हिरे जोहे जायला हो–2
रहा तो रे बंदेरा जिवा तोरा लेब रे
खडारी छोड़ाय मांदर छारब हो–2
संय मांदर बाजे रूनू रे झूनू
सात संय धंगरी जोरावें हो –2

***

जतरा राग

जतरा बेचा

जतरा बेचा केरन आयो,
मण्डी चियोय का माला -2
चिया गा चियोन बेटी
माला हूँ चियोन,
कुना मण्डी रहदी दाली
बासी मण्डी मसरी दाली.....

***

जतेरा डाड़े

जतेरा डाड़े जितीया जनइम गेल
कैसे खेलब झखेरा डाड
दे तो गे आयो सोने केरा तलवइर
डारी डाईर कटियो देबूँ
दे तो गे आयो सोने मोने छूरवा
डारी डाईर छोपी देबूँ

***

पहिले ती अखेड़ा

पहिले ती अखेड़ा अरजी ननोत
तले की बेचा शुरू ननोत रे---2
भाई बहिन बगारो, हँसा जोड़ी शोभनर
पूरूख़र ही नियम बता बाःअनर रे---2
बरा तो भाई-बहिन संगे संगे बेचोत
पूरूख़र ही नियम बता बाःअनर रे---2
बरा तो आयो बाबा संगे संगे बेचोत
पुरूख़र ही डंडी दीम पड़ोत-----

***

साल भईर नू

साल भईर नू जवाँ पूंप बरचा
ओंदा काका झोकोय का माला
झोका हूँ झोकोन, माला हूँ झोकोन
मन मऊरा बेचाहुँ बेचोन रे---2
झोका हूँ झोकोन जोड़ी, माला हूँ झोकोन
नेला गुटी झोका झोकोन रे पैरी गुटी
झोका झोकोन-----

***

आयो जियत बारी

आयो जियत बारी, बाबा जियत बारी
खेलब खूँदब गे आयो, नाचब डेगब गे बाबा
आयो हेराय गेलेऽऽ बाबा हेराय गेले
सोने खिलपईत गे आयो,–2

***

खद्दी डण्डी (धुड़िया राग)

1

समय बाच–बाच अमके रिरिया,
कोम ताक लेखा समय काला लागी
अन्न धन्न किर्रो सोना चाँदी किर्रो,
डिण्डा समय माला किर्रो

2

मैं तो साम सुंदरी कोको दमाद ले–2
मैं तो नायो नहीं रहबूं
जोरी धांगर से रहबूं।

3

छोटे बड़ा रह चिकन है निगड़ी
ऐन्देर केरा बाचकय
आकुगा दादा मुखा खदन मिजकै
काला बहिन नुरेखै बादय।

4

महुवा रे महुवा पत्तई,
महुवा पत्तई सबे झईर गेल रे–2
डाईर नूपर खोंच लगे,
खोंच नूपर फूला लोरे,
फूला गिरे धरती शोभे रे–2

5

इकिया कादय नंबा मंजैर
चाड़े किर्रोय का माला रे
किर्रा हुँ किर्रोन मला हूँ किर्रोन,
बारो(तेरो) बछर नू किर्रोन रे

6

एका लेखा निगड़ी मनी
निंग्है हेदे–हेदे नू बीची रे–2
ताची ममु निगड़ी मनी
निंग्हैं हेदे –हेड़े बीची रे–2

7

हुसानिम कादय बरदय
सरई मन ऐकेसन रई–2
सरई मन नू सय रकम सिंदरी
ड़िण्ड़ा पेलोम सगई नंजर रे–2

8

डंडी पाड़ा–पाड़ा टोटा एंग्है उक्किया
ओन्दोर कोय अम्म ओनका लगी रे–2
अनय बुचु पइरी पूतबीरी टोटा एंग्है उक्किया
ओन्दोर कोय अम्म ओनका लागी रे–2

9

डंड़ी पाड़ेन आयो गितारु बअदी
कुदा कालेन एड़पा केबा कादी रे –2
पइरी पुतबीरी गितारु बअदी
कुदा कालेन एड़पा केबा कादी–2

10

खेल निंग्है मला खरखी
एंगागे रिझ मला लगी–2
खेल निंग्है खरखो होले
भुक लिदिर–किदिर बेचोन रे–2

11

जुड़ी–जुड़ी र हचकत खने
कदम मुली धुली चोचा,
अकु जुड़ी अम्बेरा खने
कदम मुली मरचा मंजा रे–2

12

आयो जियत बारी, बाबा जियत बारी
खेलब खुंदब गे आयो मोरा
आयो मइर गेला, बाबा मइर गेला
सोने विपइत गे आयो
रुरे खिलपैइत गे आयो।

13

टिको के डाड़ें अजादी लागीन
हजारो बीर जीवा देलंय रे
शिलागामी बुधु बीर
तमाड़ का बीरसा
राइज लागीन जीवा देलंय रे
देशे लागीन जीवा देलंय।
हरीधर–गिरधर दुइयो रे भइया
राजी लागीन जीवा देलंय
देशे लीगन काया देलंय।

14

अखड़ा में दीदी जोड़ा मांदर बाजे
सांइया के तो बड नींद लागे हो–2
उठू सांइया चलू सांइया गो
संगे साथे झूमरी खेलब हो–2
आवु संमधिन चलूं संमधिन
संगे साथे झूमरी खेलब हो–2
आवु सहिया चलू सहिया
संगे साथे झूमरी खेलब हो–2
अखड़ा में..........................

15

सिरसी–ता–आ नाले नू,
दुइयो झन भइया बहिन राअचर–2
ककड़ो लात्ता नू एड़पा कमचर
दुइयो झन भइया बहिन राअचर–2
आर हरो भाई बहिन गो,
महयदेव पारवती राअचर हाक–2
आर हरो भाई बहिन रो
अद्दी पुरुख़र धरम राअचर
अद्दी धरम पुरुख़र राअचर
बरा हरो भाई–बहिन रो
पूरुख़रीन सेवा ननोत
पूरुख़रीन पूजा ननोत
पूरुख़रीन सेवा–पूजा ननोत होले
जिया नम्हैं हरीयर मानो
काया नम्है पवित्र मानो।
सीरसी–त–आ.................

16

अद्दी धरम् ता भईया रे
हीरा नम्हैं डूबीरा लागी
हीरा नम्हैं मूलीख़ा लागी
अख़ड़ा टोंका ता भईया रे
हीरा नम्हैं डूबीरा लागी
हीरा नम्हैं मूलीख़ा लागी
जतरा टोंका ता भईया रे
हीरा नम्हैं डूबीरा लागी
हीरा नम्हैं मूलीख़ा लागी
अद्दी धरम् ननोत होले
हिरा नम्हैं किरो की रओ हरो
हिरा नम्हैं किरो की रओ
पड़हा बिन्ती ननोत होले
हिरा नम्हैं किरो की रओ हरो
हिरा नम्हैं किरो की रओ
भईया बहिन जुमरोत
सादा भइरा किन पूजा ननोत
हिरा नम्हैं किरो की रओ हरो
हिरा नम्हैं किरो की रओ
चाला पच्चो मला मेनोर होले
हिरा नम्हैं डूबरो की राओ हरो
हिरा नम्हैं मूंदखो की राओ

17

हाय रे छोटानागपर कैसन सुंदर दिसे
केड़ा पाहड़ हरीयर दिसे हो–2
वन भीतरे कोयलो मिंजूर बोले
सुनी सुनी जिया साले हो
सुनी सुनी जिया साले

18

कहाँ–कहाँ सिरजल हरे मनेवा
कहाँ रे जनम तोहार रे भला–2
मानसरवर सीरसी–ता–नाले
सिरजल रे मनेवा सिंधू घाटी जनम तोहार–2 रे
रुईदास गढ़ से सिरजल रे मनेवा
नगपूरे जनम तोहार रे –2 मनेवा
बबा कोरा सिरिजल रे मनेवा
आयो कोरा जनम तोहार–2मनेवा। कहाँ–कहाँ.......

19

बडे–बडे आगे चलू दुश्मन से लड़ाई करु,
पड़हा राईज लियेके रहब–2
राजी दिवान बाबा, पिछे मईती हटबे
धरम् राईज लियेके रहब–2भइया
राजी बेल बाबा पीछे मईती हटबे
धरम् राईज लियेके रहब–2

20

भईया रे भईया, चाइरो भईया
चइरो भाई समधि जोराए हो–2
अपन बेटी विरान विरान बेटी आपन,
कैसे–कैसे आ बनावेला हो–2
अपन बेटी विरान विरान बेटी आपन,
तभे जनू राजी मा शोभे
तभे जनू देश में शोभे
चिट्ठी बाटू नाद से पत्र बाटू राम से
भाषा गो नाहीयर देश हो–2

***
***

शान्ति भजन

निग्हैं खेड़ मूली नू एम धरमें बरेचकम –2
चाड़ेम शांन्ति चिआ धरमें चाड़ेम शांन्ति चिआ
अरखी झरा अम्बर की निग्है हेदे बरेचकम –2
चाड़ेम शांन्ति चिआ धरमें चाड़ेम शांन्ति चिआ
नाद मुदईन अम्बर की निग्है हेदे बरेचकम –2
चाड़ेम शांन्ति चिआ धरमें चाड़ेम शांन्ति चिआ
एड़पा पालिन अम्बर की निग्है हेदे बरेचकम –2
चाड़ेम शांन्ति चिआ धरमें चाड़ेम शांन्ति चिआ
हिसंगा पोटगा अम्बर की निग्है हेदे बरेचकम –2
चाड़ेम शांन्ति चिआ धरमें चाड़ेम शांन्ति चिआ
लड़ाई–झगड़ा अम्बर की निग्है हेदे बरेचकम –2
चाड़ेम शांन्ति चिआ धरमें चाड़ेम शांन्ति चिआ
निंग्हैं खेड़............................

जय धर्मे

***

सिरसी–ता–बिन्ती –42

सिरसी–ता–आ नाले नू भईया–बहिन रहचर
भईया–बहिन रहचर,
गुचा हरो एरागे कालोत,
बरा हरो बेदागे कालोत
 ककड़ो हि लाता गंगेला गहि खईड़ी रहेचा हरो भइरो,
 आसानुम नन्हैं पुरखर रहचर,...2
 गुचा हरो एरागे कालोत,
 बरा हरो बेदागे कालोत,
आर गुसन भईरो ईमन धरम रहचा,
अद्‌दी धरम रहेचा
सादा धरम रहेचा
गुचा हरो एरागे कालोत,
बरा हरो बेदागे कालोत
 आर हरो भइरो, महायदेवस पारवती हेद्दे र–आ लगियर,
 हेद्दे र–आ लगियर,
 गुचा हरो एरागे कालोत,
 बरा हरो बेदागे कालोत
आर हरो भईरो धर्मेश गही नामेन ती,
डंड़ा–कट्ठा" लगियर,
डंड़ा–कट्ठा" लगियर,
सोझे–सोझे धर्मेसिन अरजी नना लगियर
सेवा नना लगियर,
गुचा हरो एरागे कालोत,
बरा हरो बेदागे कालोत
 सिरसी–ता–आ नाले नू भईया–बहिन रहचर,
 भईया–बहिन रहचर,
 गुचा हरो एरागे कालोत,
 बरा हरो बेदागे कालोत ।।

***

जय धर्मे

जय धर्मे!! जय चाला!!

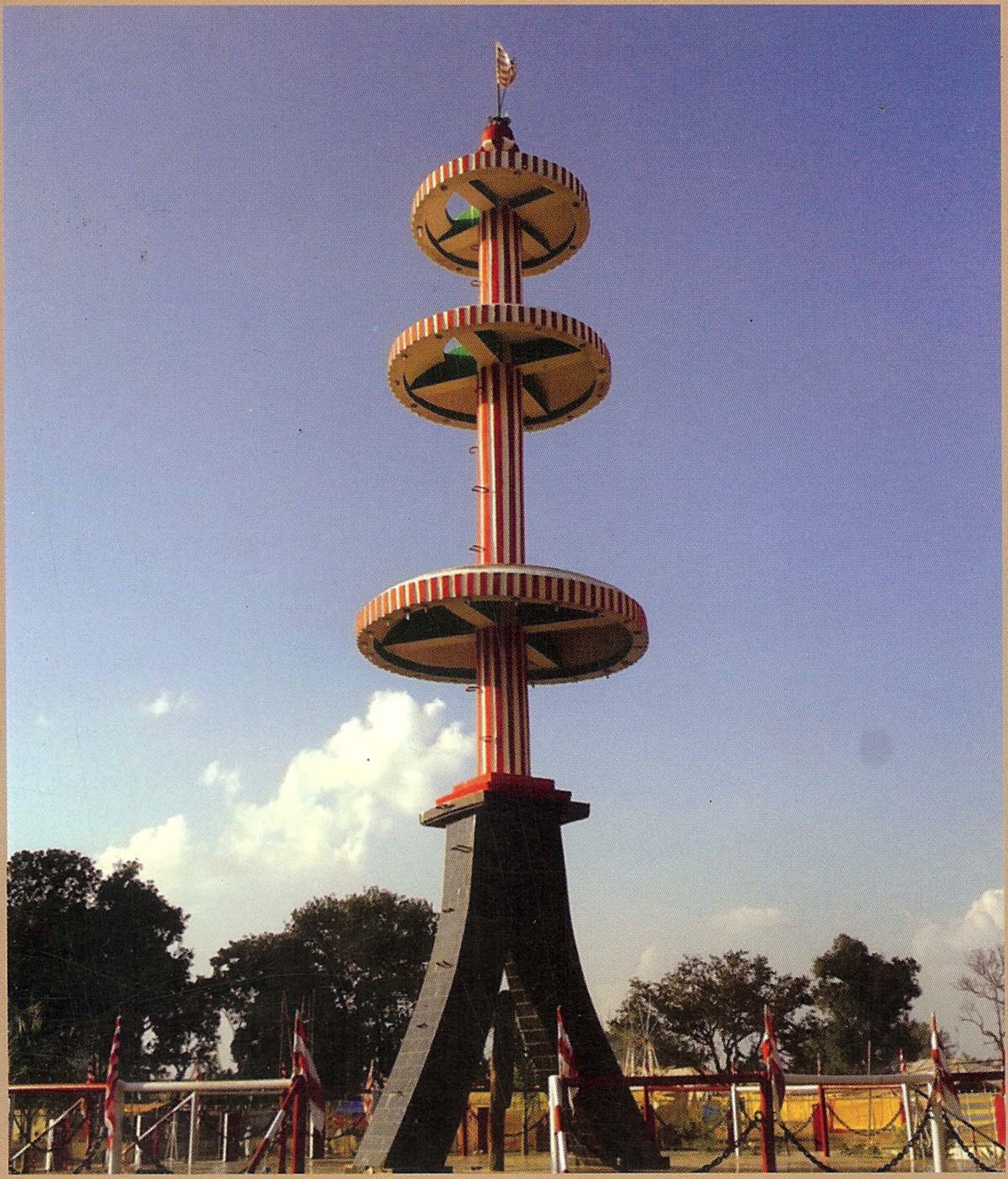

आदिवासियों की सांस्कृतिक प्रतीक
मुड़मा जतरा खुटा

JCE

प्रकाशकः–
जय चाला ईन्टरप्राईजेज
पावा टोली, हेहल, ईटकी रोड, रांची, झारखण्ड
फोन : 9835190269, 9031461119

नया संस्करण जल्द आ रहा है....